केंटा और भयानक सुनामी

रूथ ओही

केंटा और भयानक सुनामी

रूथ ओही

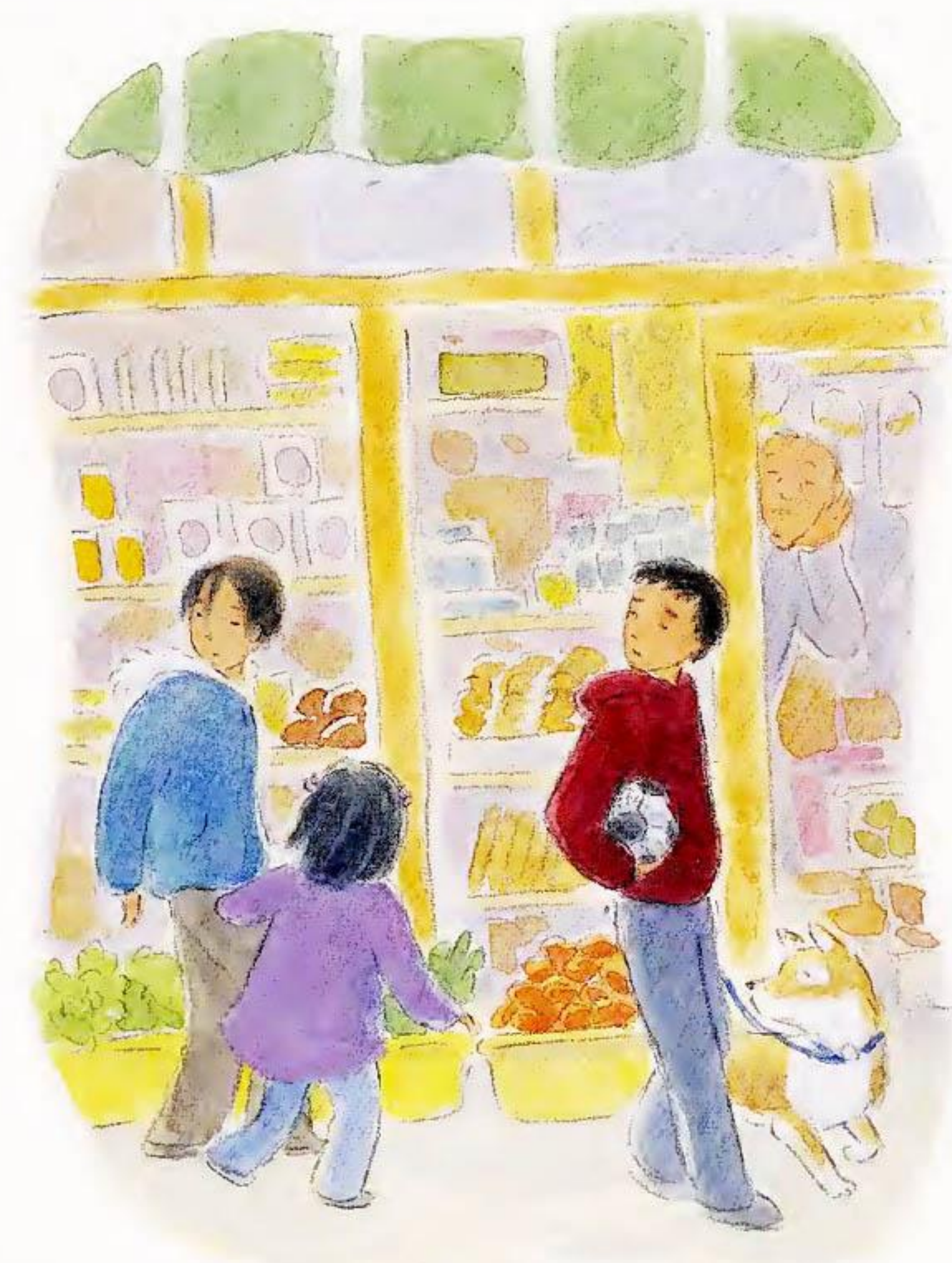

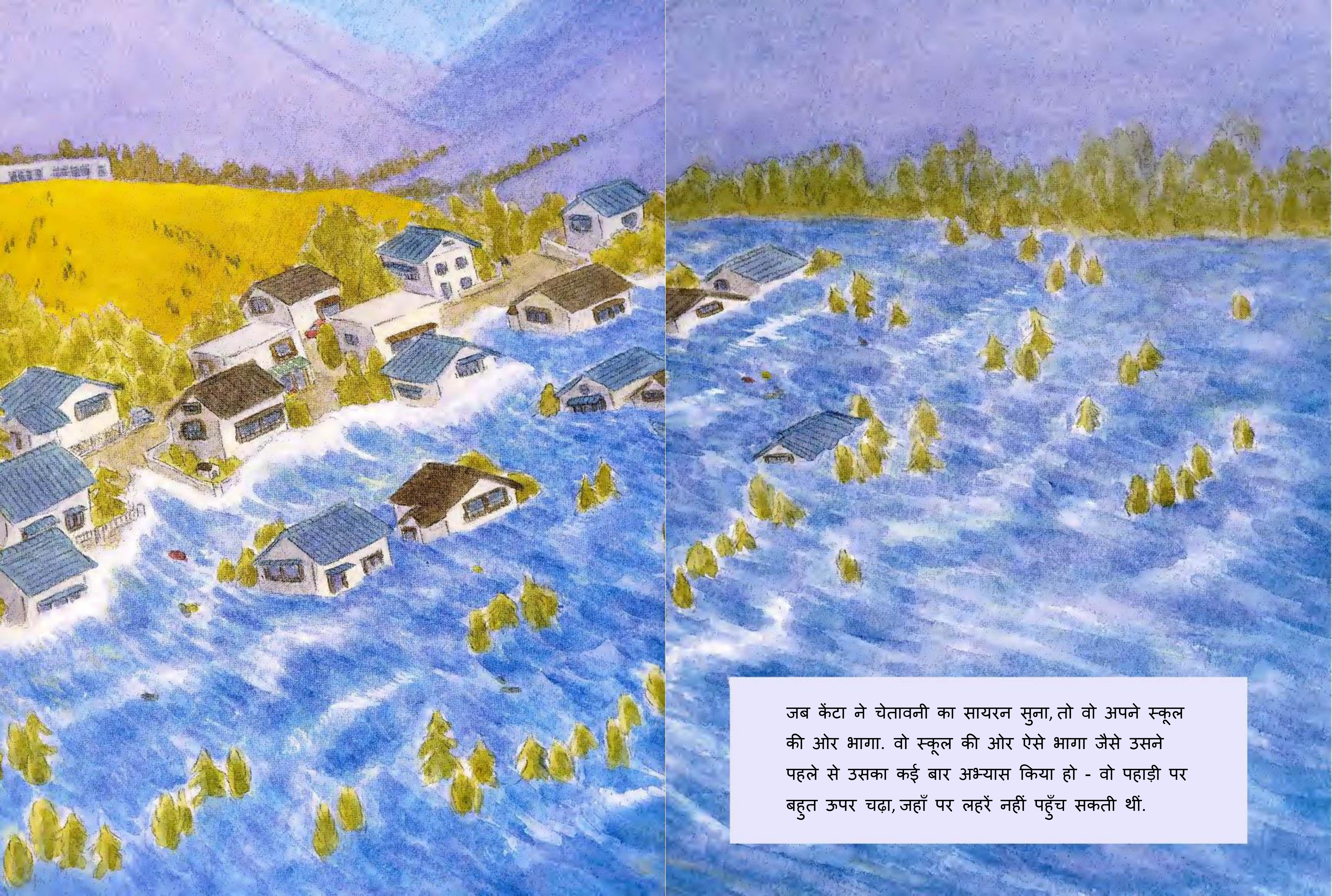

जब केंटा ने चेतावनी का सायरन सुना, तो वो अपने स्कूल की ओर भागा. वो स्कूल की ओर ऐसे भागा जैसे उसने पहले से उसका कई बार अभ्यास किया हो - वो पहाड़ी पर बहुत ऊपर चढ़ा, जहाँ पर लहरें नहीं पहुँच सकती थीं.

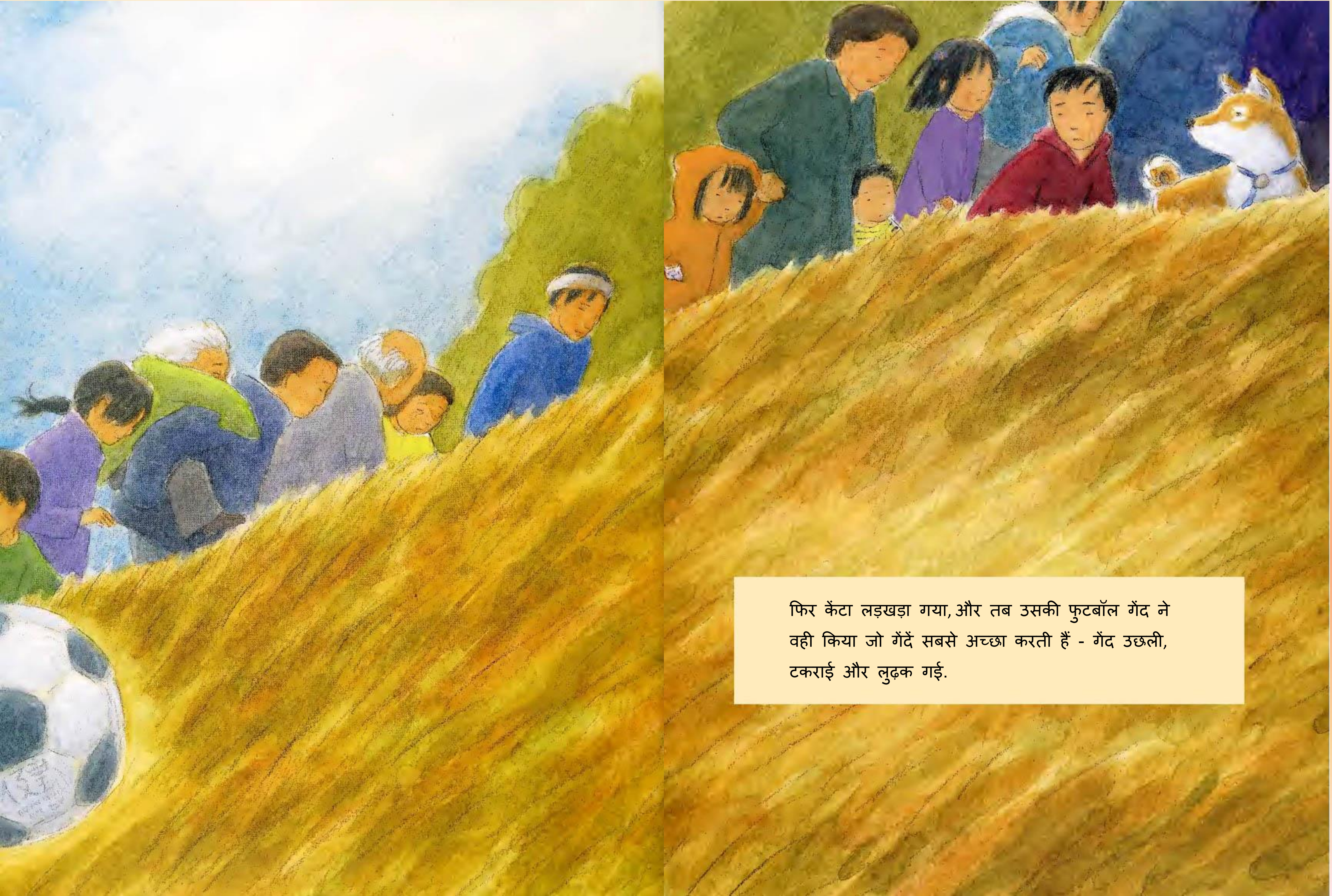

फिर केंटा लड़खड़ा गया, और तब उसकी फुटबॉल गेंद ने वही किया जो गेंदें सबसे अच्छा करती हैं - गेंद उछली, टकराई और लुढ़क गई.

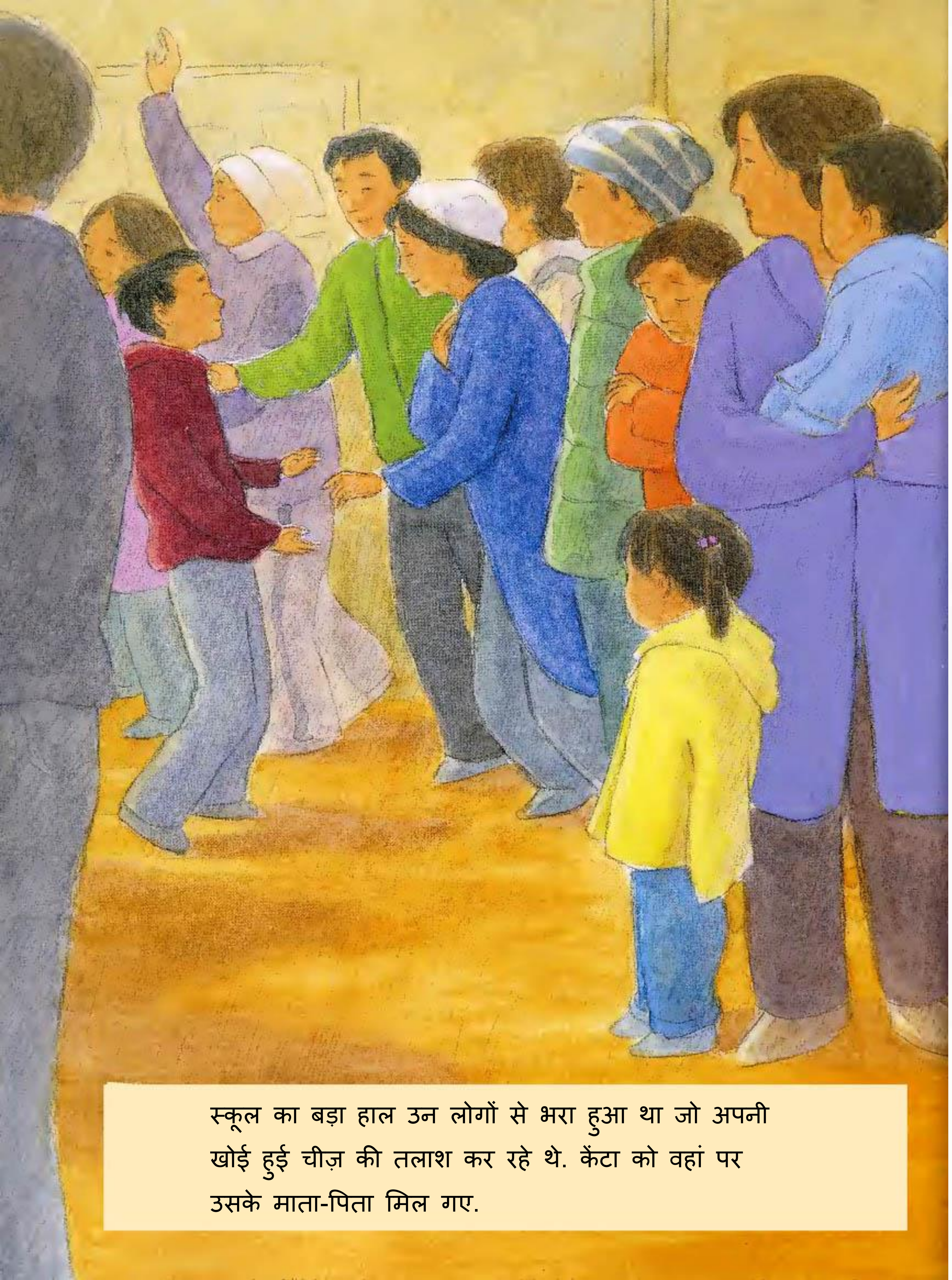

स्कूल का बड़ा हाल उन लोगों से भरा हुआ था जो अपनी खोई हुई चीज़ की तलाश कर रहे थे. कैंटा को वहां पर उसके माता-पिता मिल गए.

लेकिन समुद्र को कैंटा की फुटबॉल मिली.

कुछ दिनों बाद, जब समुद्र वापस अपने निचले स्तर पर नीचे आया, तो कैंटा का परिवार अपने घर लौट आया.

"सब कुछ... लुट गया," कैंटा की माँ ने कहा.

कैंटा के पिता ने कहा, "अब घर को ठीक नहीं किया जा सकता है. हमें उसे फिर से बनाना होगा."

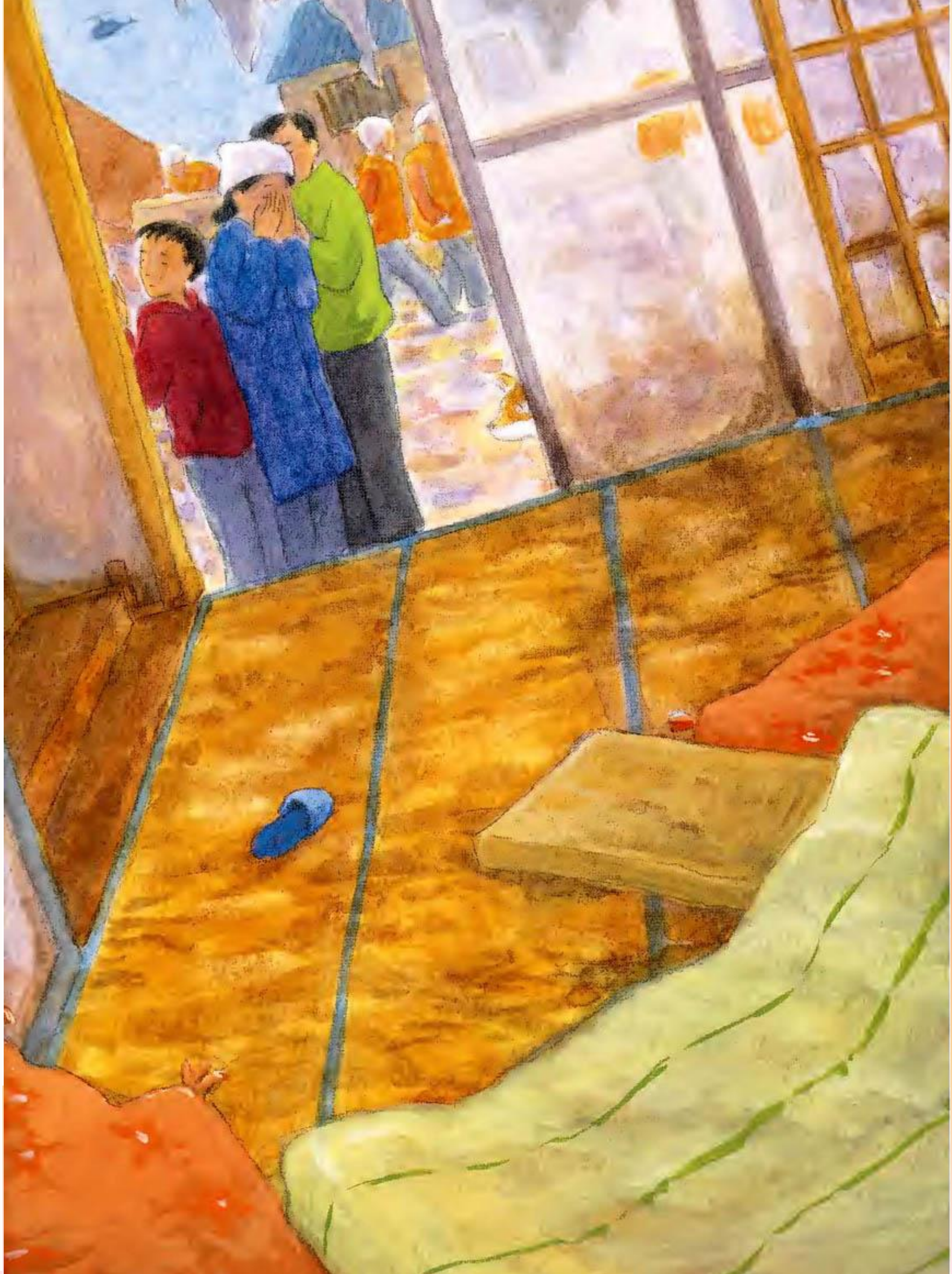

हर रात, केंटा का परिवार स्कूल के बड़े हाल में खाना खाता और सोता था.

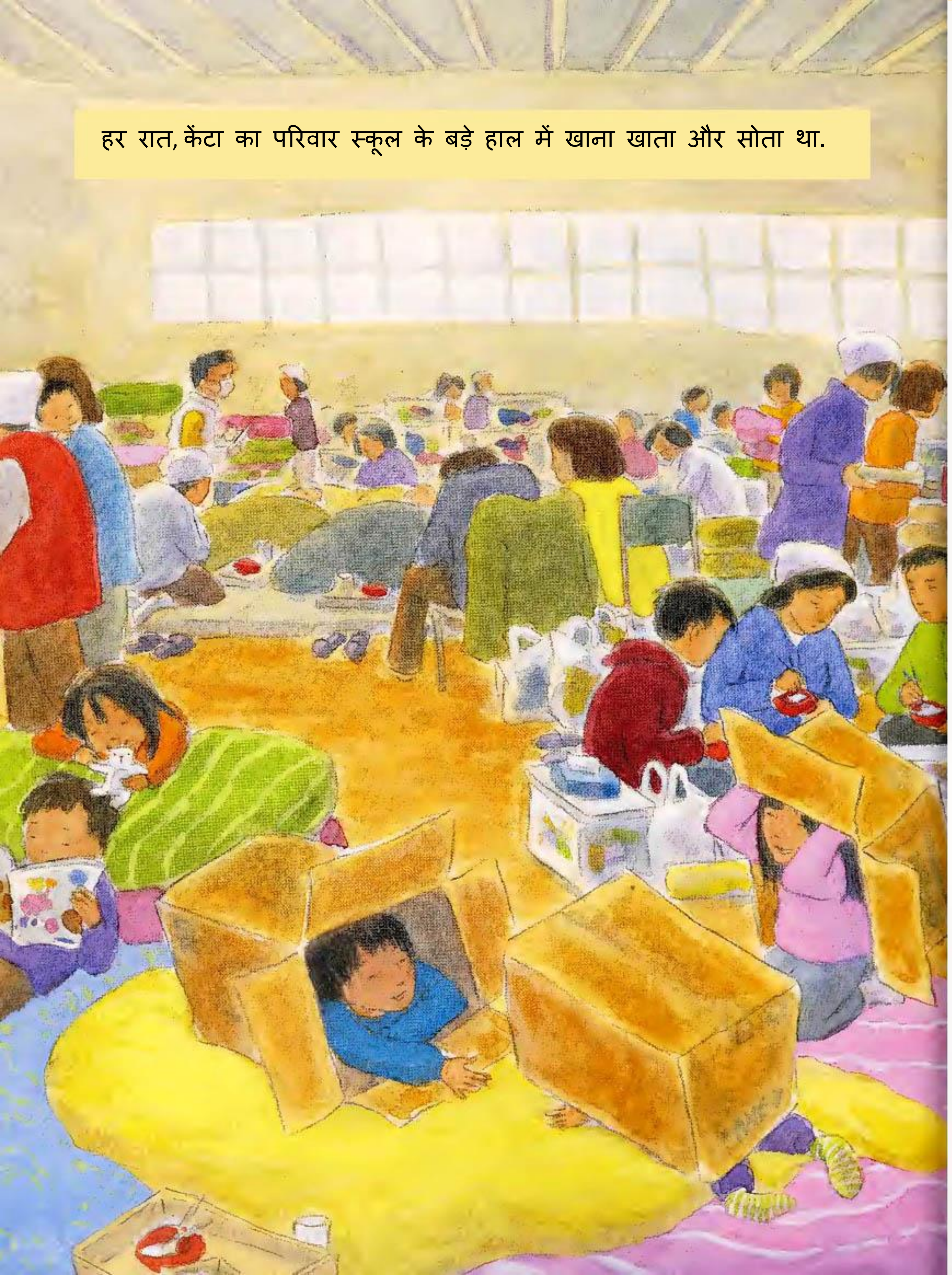

और हर दिन, केंटा और उसके माता-पिता उन चीजों को खोजते थे जिन्हें समुद्र बहाकर ले गया था.

समुद्र के फेंके हुए कचरे से, केंटा एक
नई गेंद बनाने में कामयाब रहा.

वो पहली वाली गेंद जैसी
नहीं थी, लेकिन फिर भी वो
उससे खेल सकता था.

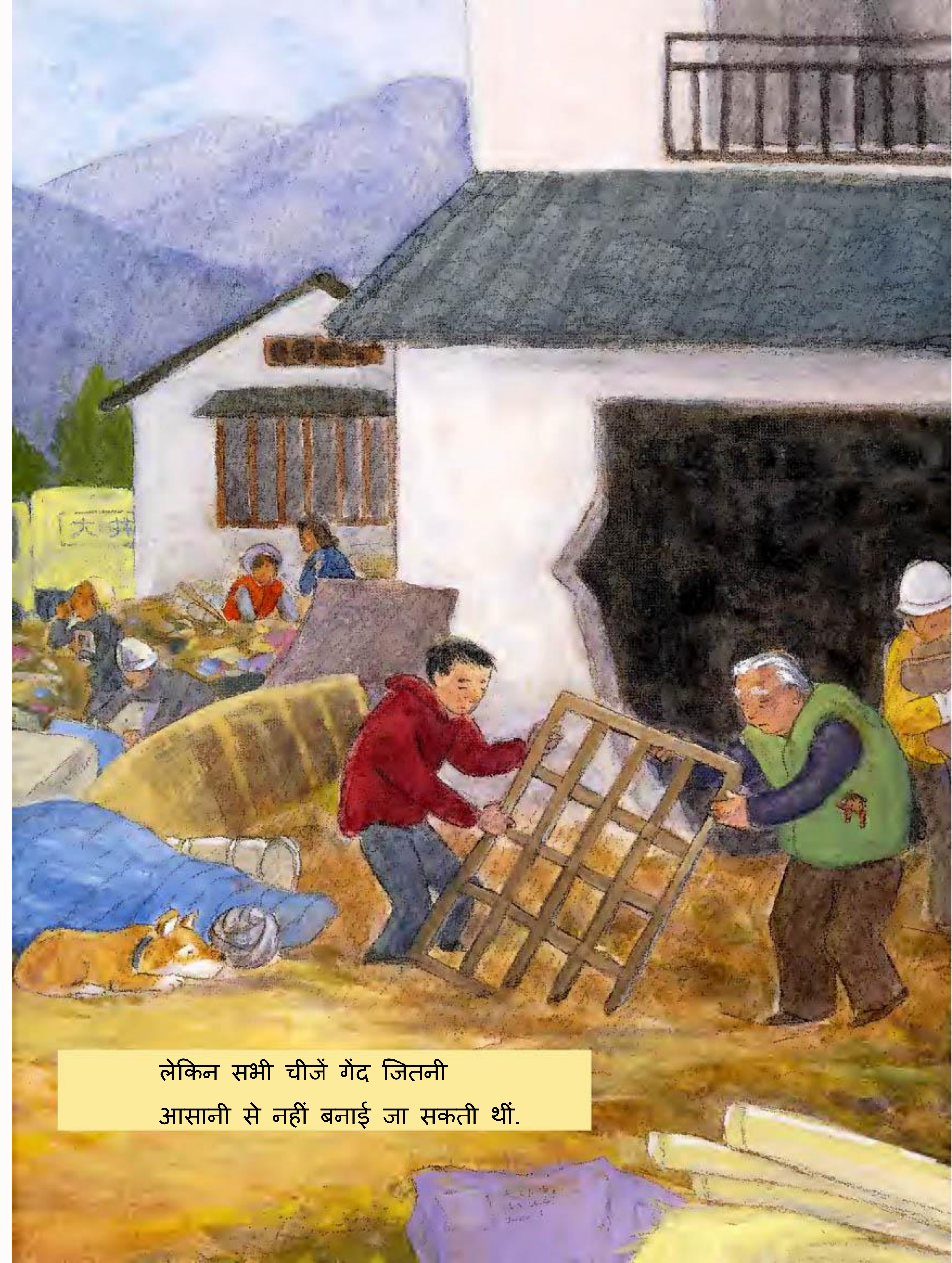

लेकिन सभी चीजें गेंद जितनी
आसानी से नहीं बनाई जा सकती थीं.

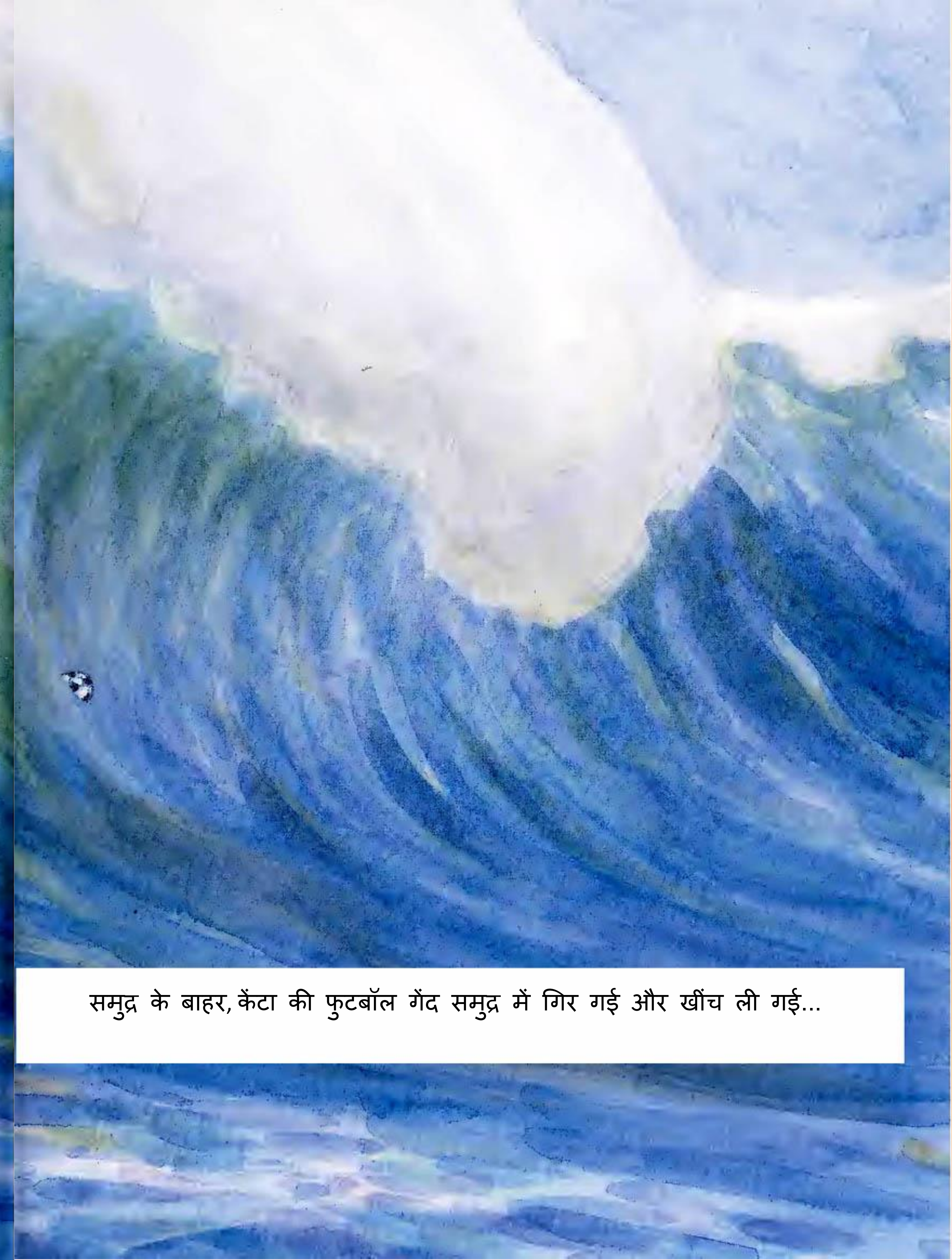

समुद्र के बाहर, केंटा की फुटबॉल गेंद समुद्र में गिर गई और खींच ली गई...

वो उछली और गिरी...

जब तक कि केंटा की फुटबॉल को समुद्र का दूसरा तट नहीं मिला... और वहां एक लड़के को केंटा की फुटबॉल मिली.

लेकिन लड़के को केंटा की लिखावट समझ में नहीं आई.

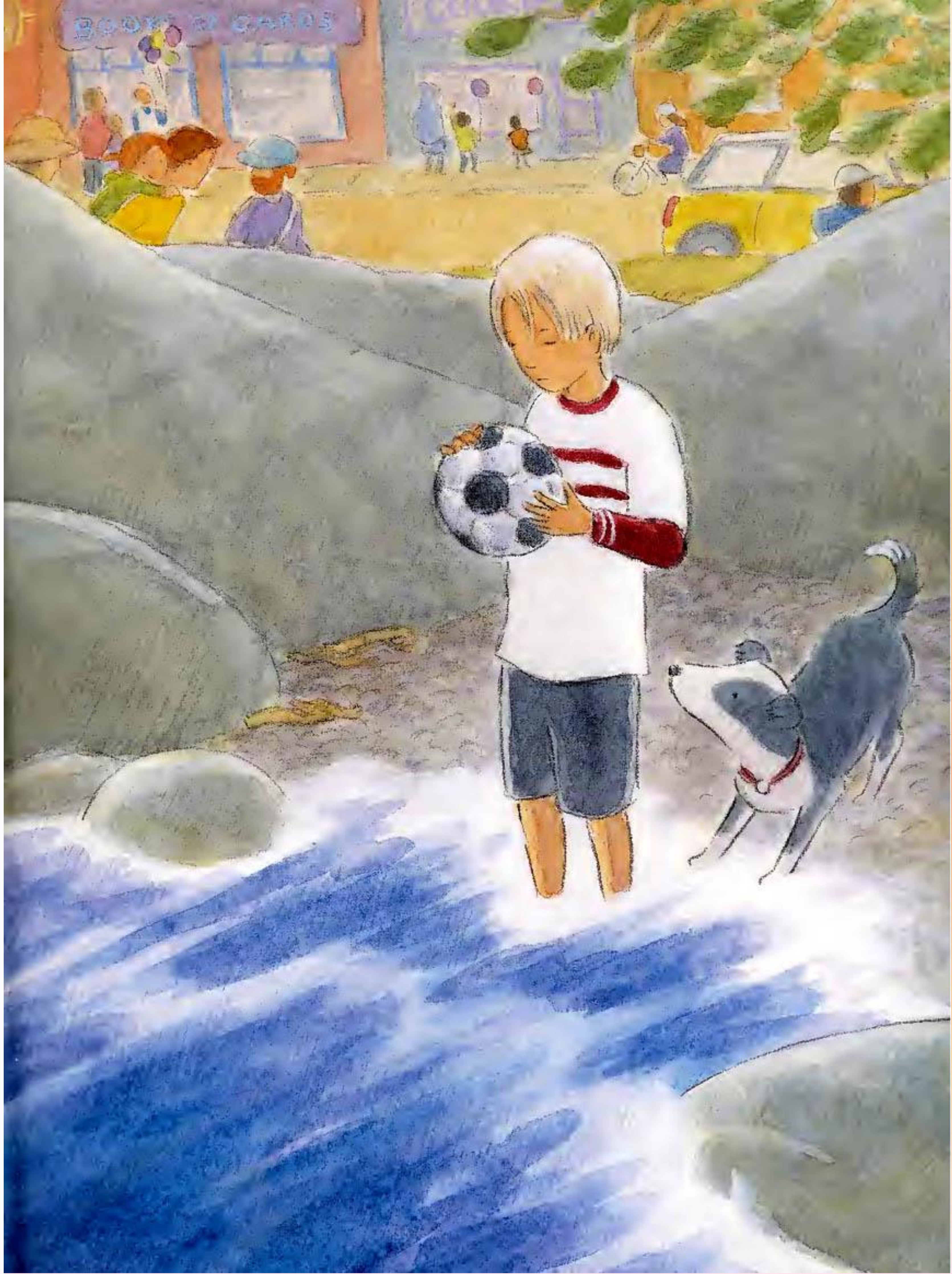

लेकिन उस लड़के को एक ऐसा व्यक्ति मिला जो केंटा की लिखावट पढ़ पाया. लाइब्रेरियन ने कहा, "यह गेंद हमारे घर से बहुत दूर की है."

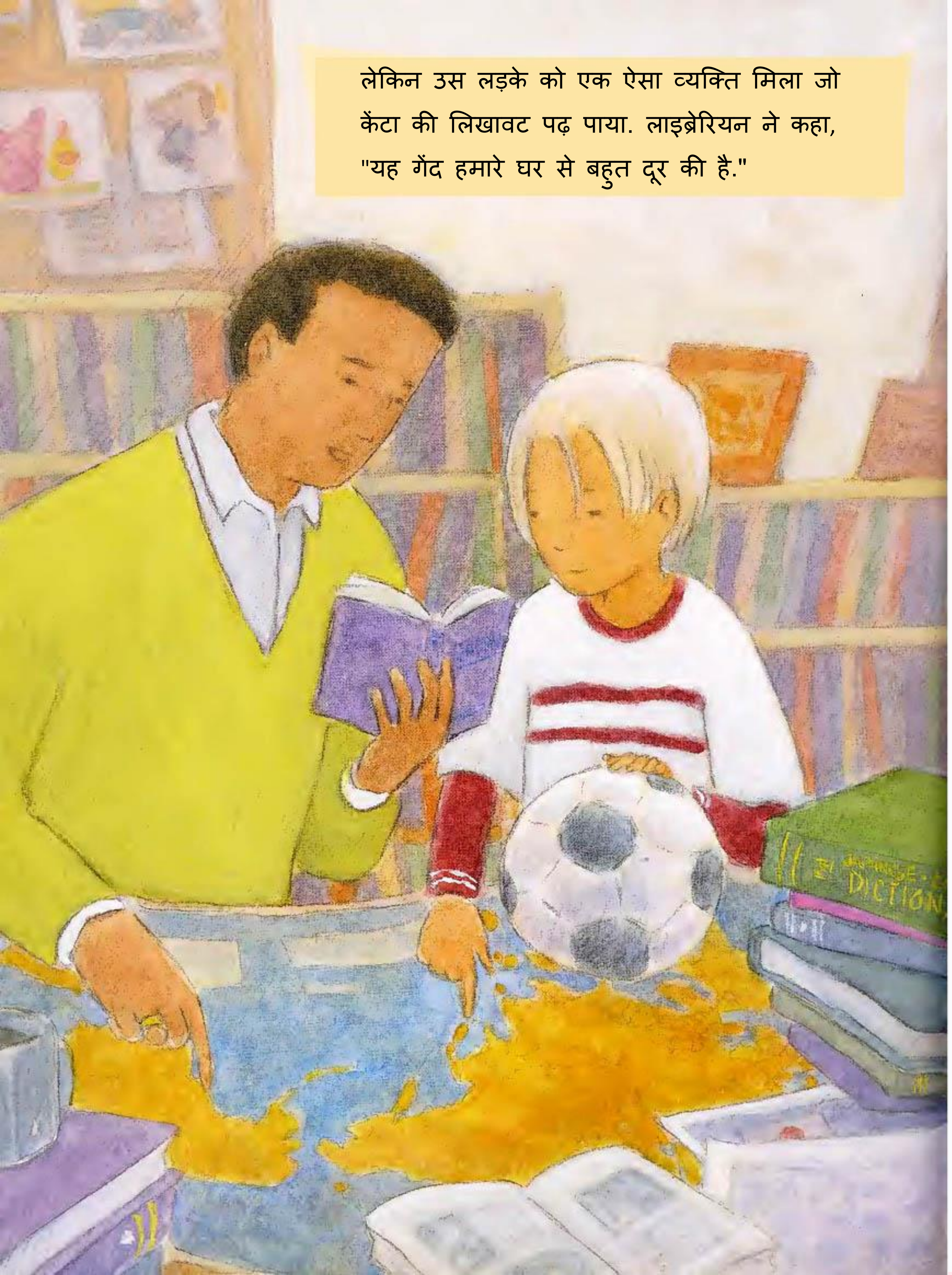

फिर उन्होंने गेंद को एक डिब्बे में रखा...

और डिब्बे को एक ट्रक में...

फिर एक विमान उसे लेकर समुद्र के ऊपर से उड़ा.....

विमान समुद्र के दूसरी तरफ उतरा.

और वहां केंटा की गेंद ने एक छोटे ट्रक पर सवारी की...

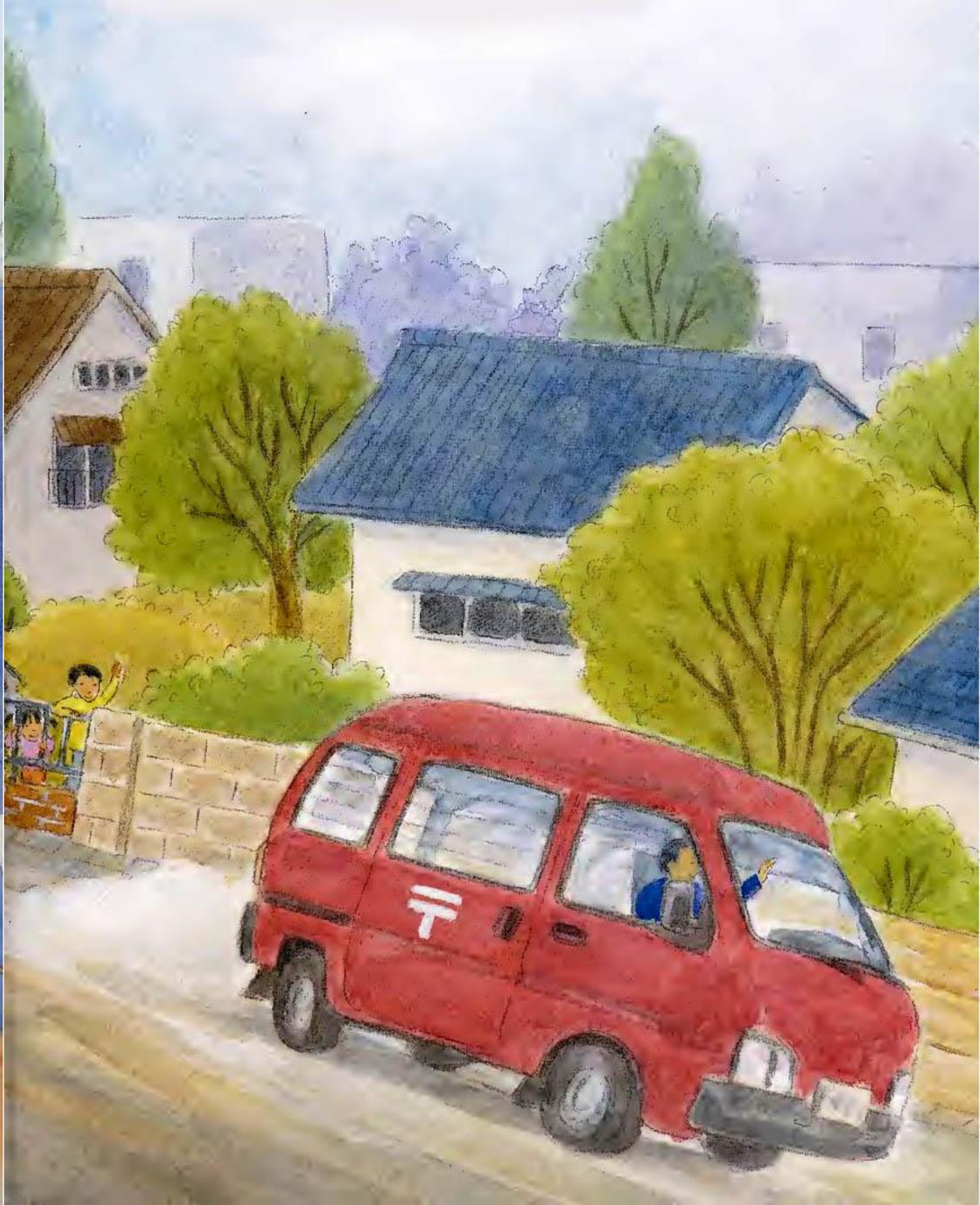

केंटा को वापस लौटाई.

"धन्यवाद," केंटा ने कहा.

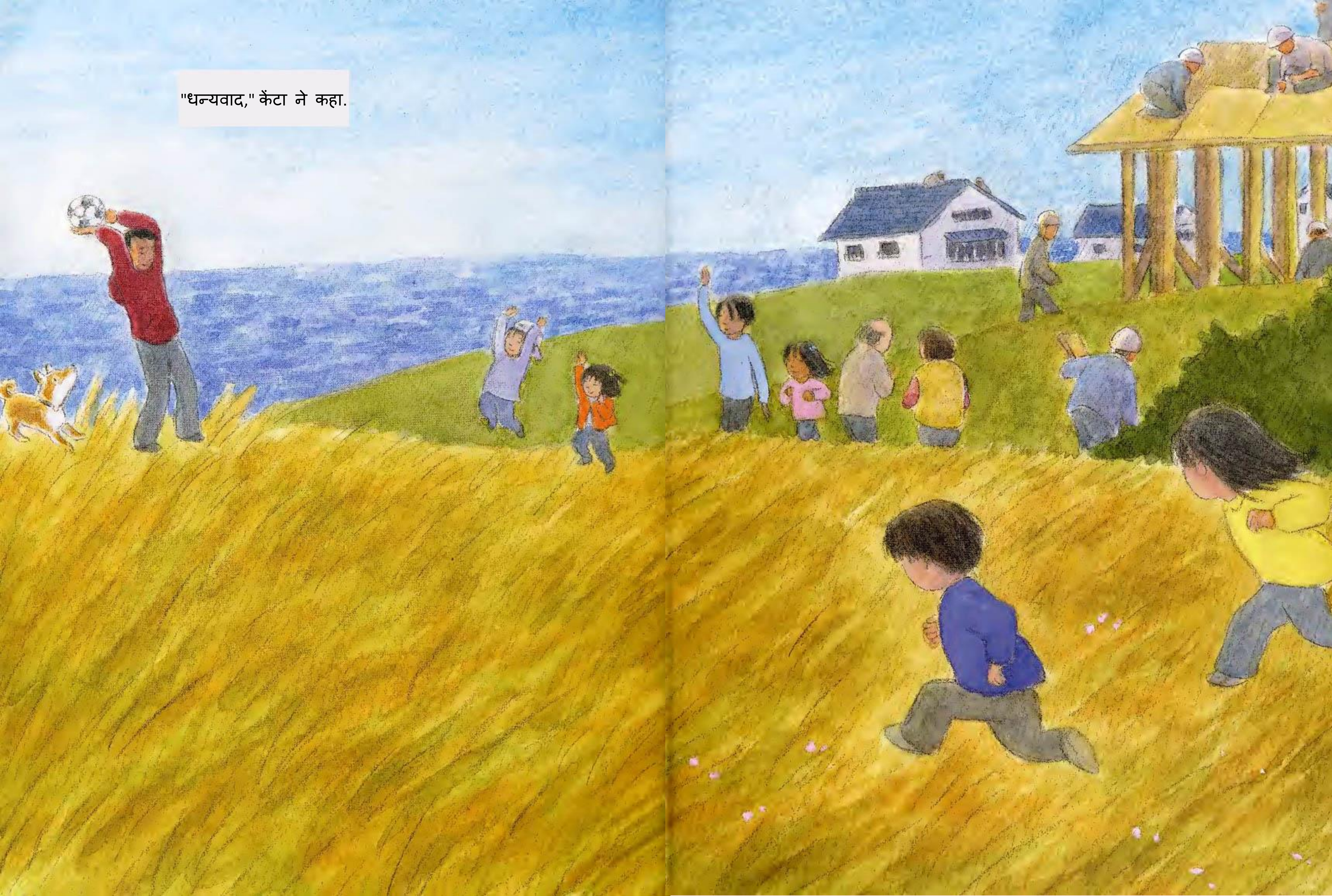

लेखक का नोट

2011 में, जापान के पूर्वी तट पर 100 से अधिक वर्षों की सबसे बड़ी सुनामी आई. सुनामी भूकंप या ज्वालामुखी गतिविधि के कारण उत्पन्न होने वाली एक विशाल लहर होती है. जापानी शब्द "सुनामी" का अर्थ होता है "बंदरगाह की लहर."

"केंटा और भयानक सुनामी" कहानी 2011 की सुनामी के बाद समाचारों में छपी एक सच्ची कहानी पर आधारित है. सुनामी में तमाम वस्तुयें (कुछ मोटरसाइकिल जितनी बड़ी!) तूफान की लहरों में बह गईं और समुद्र के दूसरी ओर वाले किनारे पर मिलीं.

जापान में, भूकंप और सुनामी अक्सर आते रहते हैं, इसलिए वहां चेतावनी प्रणालियाँ लागू होती हैं और समुद्र के पास रहने वाले स्कूली बच्चे सुनामी से बचने का लगातार अभ्यास करते हैं - ठीक उसी तरह जैसे उत्तरी-अमेरिका में बच्चे आग से बचने का अभ्यास करते हैं.